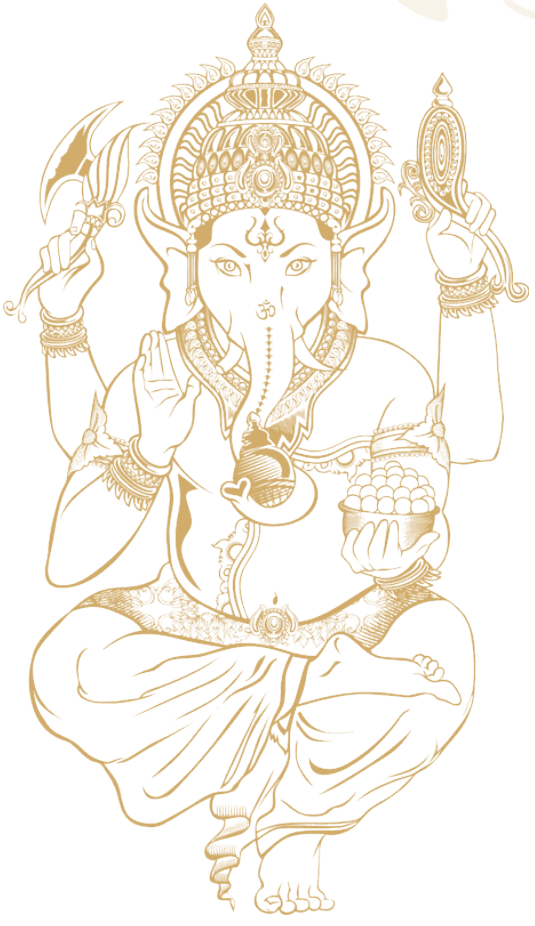

Bhupendra

12 Nov 1993

07:15 AM

Kot Putli

Model: web-freekundliweb

Order No: 119007402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/11/1993**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**07:15:00 घंटे**
इष्ट	01:17:14 घटी
स्थान	**Kot Putli**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:43:00 उत्तर
रेखांश	76:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:25:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:49:48 घंटे
वेलान्तर	00:15:53 घंटे
साम्पातिक काल	10:14:37 घंटे
सूर्योदय	06:44:06 घंटे
सूर्यास्त	17:34:30 घंटे
दिनमान	10:50:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	25:54:52 तुला
लग्न के अंश	01:42:59 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	प्रीति
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रा-राकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	01:42:59	308:20:39	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			तुला	25:54:52	01:00:23	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	नीच राशि
चंद्र			तुला	00:27:00	14:59:21	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
मंगल		अ	वृश्चि	08:16:02	00:43:10	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	स्वराशि
बुध	व		तुला	13:43:00	00:36:37	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	मित्र राशि
गुरु			तुला	06:35:28	00:12:42	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	09:57:46	01:15:10	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
शनि			कुंभ	00:02:59	00:01:32	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	09:16:15	00:01:31	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	09:16:15	00:01:31	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
हर्ष			धनु	25:18:58	00:02:12	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
नेप			धनु	25:06:11	00:01:22	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	01:25:26	00:02:24	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			सिंह	07:52:12	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:31

लग्न-चलित

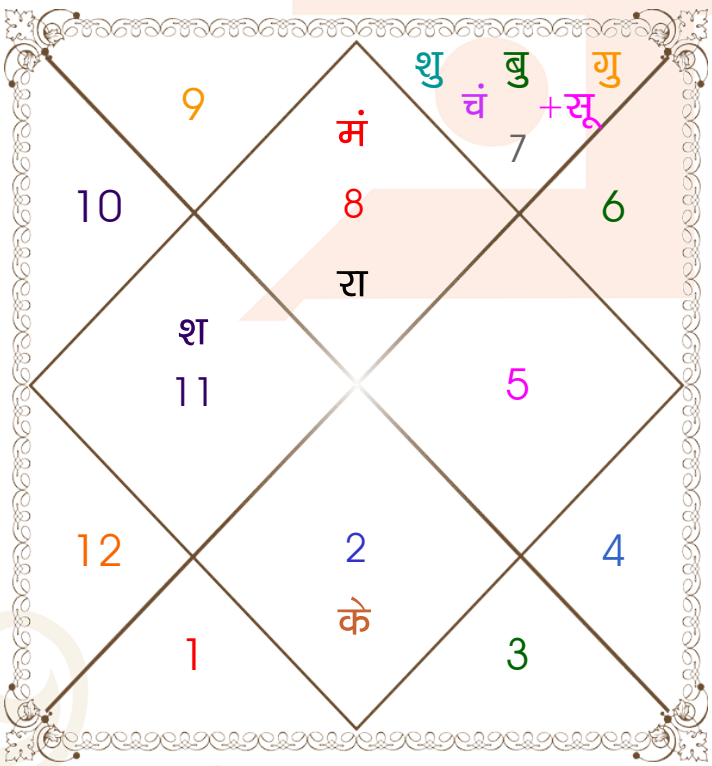

चन्द्र कुंडली

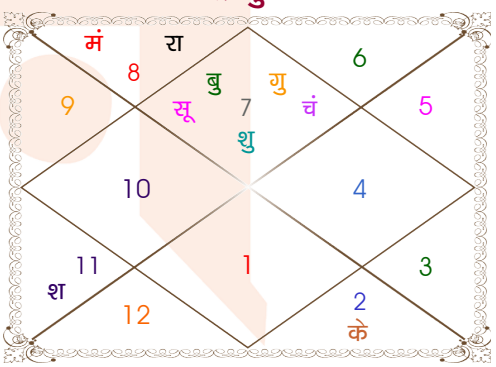

नवमांश कुंडली

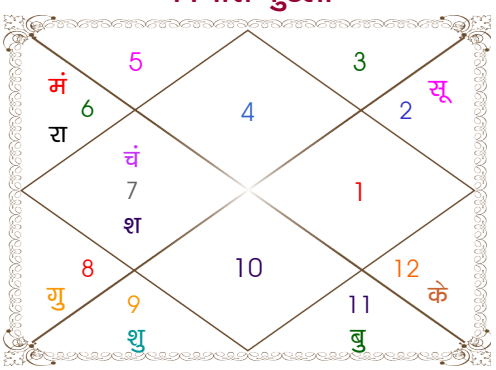

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 3 मास 5 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
12/11/1993		16/02/1997		16/02/2015		16/02/2031		16/02/2050	
16/02/1997		16/02/2015		16/02/2031		16/02/2050		16/02/2067	
	00/00/0000	राहु	30/10/1999	गुरु	06/04/2017	शनि	19/02/2034	बुध	15/07/2052
	00/00/0000	गुरु	25/03/2002	शनि	18/10/2019	बुध	29/10/2036	केतु	12/07/2053
	00/00/0000	शनि	29/01/2005	बुध	23/01/2022	केतु	08/12/2037	शुक्र	12/05/2056
	12/11/1993	बुध	18/08/2007	केतु	30/12/2022	शुक्र	07/02/2041	सूर्य	18/03/2057
बुध	15/08/1994	केतु	05/09/2008	शुक्र	30/08/2025	सूर्य	20/01/2042	चंद्र	18/08/2058
केतु	11/01/1995	शुक्र	05/09/2011	सूर्य	18/06/2026	चंद्र	21/08/2043	मंगल	15/08/2059
शुक्र	12/03/1996	सूर्य	30/07/2012	चंद्र	18/10/2027	मंगल	29/09/2044	राहु	03/03/2062
सूर्य	18/07/1996	चंद्र	29/01/2014	मंगल	23/09/2028	राहु	06/08/2047	गुरु	08/06/2064
चंद्र	16/02/1997	मंगल	16/02/2015	राहु	16/02/2031	गुरु	16/02/2050	शनि	16/02/2067

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
16/02/2067		16/02/2074		16/02/2094		17/02/2100		17/02/2110	
16/02/2074		16/02/2094		17/02/2100		17/02/2110		00/00/0000	
केतु	16/07/2067	शुक्र	18/06/2077	सूर्य	06/06/2094	चंद्र	18/12/2100	मंगल	16/07/2110
शुक्र	14/09/2068	सूर्य	18/06/2078	चंद्र	05/12/2094	मंगल	19/07/2101	राहु	04/08/2111
सूर्य	19/01/2069	चंद्र	17/02/2080	मंगल	12/04/2095	राहु	18/01/2103	गुरु	10/07/2112
चंद्र	21/08/2069	मंगल	18/04/2081	राहु	06/03/2096	गुरु	19/05/2104	शनि	18/08/2113
मंगल	17/01/2070	राहु	17/04/2084	गुरु	23/12/2096	शनि	18/12/2105	बुध	13/11/2113
राहु	04/02/2071	गुरु	17/12/2086	शनि	05/12/2097	बुध	20/05/2107		00/00/0000
गुरु	11/01/2072	शनि	16/02/2090	बुध	12/10/2098	केतु	19/12/2107		00/00/0000
शनि	19/02/2073	बुध	17/12/2092	केतु	16/02/2099	शुक्र	18/08/2109		00/00/0000
बुध	16/02/2074	केतु	16/02/2094	शुक्र	17/02/2100	सूर्य	17/02/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 3 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।